an>

Title: Regarding impact of demonetisation of 500 and 1000 currency notes in the country.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : माननीय अध्यक्ष जी, हम सब बार-बार आपसे विनती कर रहे हैं कि आपके सामने रूल 184 में रिजाल्यूशन रखा है, उसे स्वीकार करें। इससे पहले आपने कहा कि रूल 56 में यहां डिसकशन नहीं हो सकती है, इसे मोडिफाई करके किसी और तरीके से लाइए। हम सब ने मिलकर और तरीका ढूंढा कि रूल 184 में इस विषय को लें। लोगों को तनख्वाह के पैसे नहीं मिल रही है, पेंशन का पैसा नहीं मिल रहा है, लोग क्यू में खड़े हैं, सैंकड़ों लोग मर गए हैं, बहुत से लोग बीमार हो गए हैं।...(व्यवधान) देश में जीडीपी ग्रोथ भी कम हो रही है। मैन्युफैक्चरिंग कम हो रही है। चार लाख लोग अनएम्पलाइड हो गए हैं। ये सारी रिपोर्ट आपके पास है।...(व्यवधान) आप इसे सीरियसली लीजिए। हम सीरियसली डिसकस करना चाहते हैं और सारे देश की जनता को बताना चाहते हैं कि इससे कितना नुकसान हुआ है और कितना फायदा हुआ है। इसके लिए वोटिंग होनी चाहिए।...(व्यवधान) सरकार क्यों भाग रही है? हम तो नहीं भाग रहे हैं। हम डिसकशन के लिए तैयार हैं। सरकार के पास ह्यूज मेजोरिटी है। इतने लोग चुनकर आए हैं, उनको खुद को डाइजेस्ट नहीं हो रहा है। मतदान से क्यों भाग रहे हैं?

माननीय अध्यक्ष जी, आपने जैसा कहा हमने सुना। आपने कहा रूल बदलकर लाइए, 17 पार्टियों ने मिलकर एक मुद्दा बनाकर लाए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बदलकर लाए, ऐसा क्यों बोल रहे हैं? मेरे पास ऐसा कोई नोटिस थोड़े ही है। I do not think so.

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : हमने आपको नियम 184 के तहत नोटिस दिया है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपने यह नोटिस मेरे हाथ में नहीं दिया है। सब नोटिसेज आफिस जाते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : अब नोटिसेज सैक्रिट्रेरियेट में दिये या आपके आफिस में दिये, यह एक ही बात है। ...(व्यवधान)

SHRI JYOTIRADITYA M. SCINDIA (GUNA): Madam, notice has been given under rule 184. We have given the notice. ...(*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : अध्यक्ष महोदया, मैं आपसे विनती करना चाहता हूं कि आप यह डिसकशन एलाऊ कीजिए, वोटिंग एलाऊ कीजिए। ...(व्यवधान) इससे कोई पहाड़ गिरने वाला नहीं है या आकाश गिरने वाला नहीं है। ...(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : अध्यक्ष महोदया, ये लोग मतदान से क्यों भाग रहे हैं? ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सब बार-बार वही बात कर रहे हैं। You are repeating the same thing.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जितेन्द्र जी, मैं आपको भी बोलने का मौका दे दूंगी। आप सब रोज इसी पर डिसकशन किया कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री सुदीप बन्दोपाध्याय (कोलकाता उत्तर): अध्यक्ष महोदया, प्रश्न यह है कि बहस से कौन भागता है? That is the question that is coming up. ...(*Interruptions*) What I am finding is that under the item, Discussion under Rule 193, the first name is Shri Bhartruhari Mahtab. At least, he is not present today in the House. ...(*Interruptions*)

Secondly, what I am telling you is that ultimately the discussion is not taking place. Who is held responsible? Whose responsibility mainly comes upon to see that how the House runs? Is it to the Government side or to the Opposition Parties? They are in a majority position. It is up to them to see that the House runs properly, and they have their brute majority by which they can easily start the Discussion under Rule 184 for which the Congress Party has submitted notice in consultation with us. I have placed notice for Adjournment Motion which I want to withdraw if the Discussion under Rule 184 starts and voting takes place. ...(*Interruptions*)

So, I will request the Government that let the House be in a normal situation. Let the debate start, and there should be discussion.

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) : अध्यक्ष महोदया, आप कस्टोडियन हैं, आप सदन की माननीय अध्यक्ष हैं। अब विपक्ष निवेदन कहां करेगा? ...(व्यवधान) वह आपके पास ही करेगा। हम आपसे बार-बार निवेदन कर रहे हैं कि नोटबंदी पर बहस होनी चाहिए। हम लोग बहस के लिए तैयार हैं। हम आगे बढ़कर धारा 184 पर बहस करने के लिए तैयार हैं। इस धारा के तहत बहस के साथ मत विभाजन हो, लेकिन नोटबंदी के नाम पर सदन में बहसबंदी हो गयी। केन्द्र सरकार कैसे इन कामों को अंजाम दे रही है? हम यहां बहस के लिए तैयार हैं। आज लोगों को वेतन नहीं मिल रहा, पेंशन नहीं मिल रही। बिना परिणाम के समझे यह अव्यावहारिक काम किया गया है। शादी-विवाह से लेकर खाद-बीज तक किसानों को नहीं मिल रहा है। आज स्थिति बहुत खराब हो गयी है। लोगों की मौतें हो रही हैं। ...(व्यवधान) एक सौ पांच मौतें हो गयी हैं। ...(व्यवधान) इस पर शोक प्रस्ताव भी आना चाहिए। ...(व्यवधान) इससे बढ़कर और क्या बात हो सकती है? ...(व्यवधान) लोग एटीएम की लाइनों में लगे हुए हैं। ...(व्यवधान) लोग हार्ट अटैक से मर रहे हैं। ...(व्यवधान) यह सरकार का असत्य वायदा है। यह सरकार असत्य साबित हो रही है। ...(व्यवधान) पच्चीस दिन से ऊपर हो गये हैं। ...(व्यवधान)

श्री ए.पी. जितेन्द्र रेड्डी (महबूबनगर): अध्यक्ष महोदया, हमने ऑल पार्टी मीटिंग, बीएसी मीटिंग और अन्य सभी मीटिंग्स में यही कहा है कि the intention of our Prime Minister to curb the black money is welcome. हर पार्टी, 17 पार्टीज और हर आदमी यही बोल रहा है कि only the implementation is a problem. How it is being transformed is the problem. So, what I suggested and what my party thought and also along with Shri Bhartruhari Mahtab when we had a discussion with you and with Mr. Ananthkumar Ji, when we, all of us, sat down, हमने यही बोला कि गले में सांप गिर गया है और वह सांप काटकर ही रहेगा। लेकिन उसका हल कैसे निकालना है, किस तरह से उस पर दवा लगानी है, यह हल हमें खोजना है। आज जिस तरह से लोगों को तकलीफ हो रही है, उस तकलीफ को दूर करने के लिए हमने नियम 193 के अंतर्गत चर्चा करने का सुझाव दिया है। ...(व्यवधान) इस तरीके से भी चर्चा हो सकती है।

मैडम, हमने आपको पूरी फ्रीडम दी है कि आप नियम 193, 184 या 56, जिस भी नियम के तहत आप चर्चा कराना चाहती हैं, वह कराइये। लेकिन इस पर बहस जरूर होनी चाहिए। â€¦

(*Interruptions*) It has to be done because पब्लिक हर दिन बहुत प्रॉब्लम फेज कर रही है। ...(व्यवधान) इवेन हैदराबाद के अंदर में, आज हमारे पेपर्स में लिखा है कि पब्लिक बैंकर्स को मारने गयी थी। इस तरीके से वायलेंस आगे न बढ़े, पब्लिक इसे अपने हाथ में न ले, उसके लिए हम सभी लोग इस पर चर्चा करें।...(व्यवधान) हम लोग नियम 193 के तहत चर्चा चाहते हैं, वे लोग नियम 184 के तहत चर्चा चाहते हैं, किसी भी तरीके से चर्चा हो और हम सरकार को अपने सुझाव दे दें कि किस तरीके से इसको चलाएं। ..(व्यवधान) आज बैंक वालों का स्टेटमेंट आया है कि दो लाख 25 हजार एटीएम में से केवल एक लाख एटीएम चल रहे हैं। ..(व्यवधान) आज मैंने हिन्दू पेपर में देखा - "Bank Employees plan agitation." इस तरीके से देश की स्थिति खराब हो रही है। मेरा सुझाव है कि किसी भी नियम के अंतर्गत आप इस पर चर्चा शुरू कराइए और इमिडिएटली इसका समाधान निकालिए, अन्यथा आज जनता परेशान हो रही है।..(व्यवधान)

अगर आप अनुमति दें तो मैं नियम 193 के तहत चर्चा अभी शुरू कर देता हूं।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I am ready.

इसी विषय पर वोटिंग कर लो कि नियम 193 में हो या 184 में चर्चा हो।

श्री मुलायम सिंह यादव जी।

श्री मुलायम सिंह यादव (आज़मगढ़) : अध्यक्ष महोदया, आप इसको गंभीरता से लीजिए। मैं माननीय गृहमंत्री जी से भी कहता हूं कि इसको गंभीरता से लीजिए। आप देखें, दो महिलाएं 1000 रुपये के नोट लेकर गयीं, उनको मना कर दिया गया कि ये नोट नहीं चलेंगे तो उनकी वहीं मौत हो गयी। उन दो महिलाओं की मौत हो गयी। अभी तक उत्तर प्रदेश में 16 लोगों की मौत हो चुकी है।...(व्यवधान) सारे देश में ऐसी 105 मौतें हो चुकी हैं। इससे ज्यादा गंभीर मामला क्या हो सकता है? आप बताइए, अगर आपको यह काम करना था तो सदन के नेताओं को बुलाने में परेशानी क्या थी?...(व्यवधान) हम लोग अपने सुझाव देते, इसमें परेशानी क्या थी? चोरी से रात को आठ बजे,...(व्यवधान) चोरी से रात आठ बजे डिक्लेयर कर दिया और डिक्लेयर करने के बाद हम लोगों ने अपनी बात रखी। हम जनता की बात कहां रखेंगे?...(व्यवधान) अभी मैं आ रहा था रास्ते में, बैंक पर लोगों की लाइन लगी हुई है। आप पता लगाइए कि बैंकों में क्या हाल है? वहां लाइन लगी हुई है। इसी तरह से किसान और व्यापारी, इन दोनों का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। इनका संबंध गहरा है, किसान पैदावार करता है, व्यापारी को बेचता है और व्यापारी उसकी सप्लाई करता है पूरे देश के खाने के लिए। इनके बारे में आपने क्या सोचा? किसान के बारे में क्या सोचा? ..(व्यवधान) अब बहुत से किसान फसल नहीं बो पाए हैं। बुआई नहीं कर पाए हैं। आप उत्तर प्रदेश में ही पता लगा लीजिए, किसान बुआई नहीं कर पाए हैं। उनको बीज और खाद नहीं मिली है। आप बताइए अगर इस गंभीर सवाल पर भी सदन में बहस आप स्वीकार नहीं करेंगी, तो इससे बड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा आपके जीवन में नहीं आ सकता।...(व्यवधान) क्या नोटबंदी कोई मामूली मुद्दा है? अगर आपको नोट बदलना ही थे, तो हम लोगों को भी साथ बैठा लेते कि हम इस तरह से नोट बदलना चाहते हैं।...(व्यवधान) मेरा यही कहना है।...(व्यवधान) आप देख लेना। जब जनता के बीच जाएंगे, तब पता चलेगा। जब जनता और किसानों के बीच जाएंगे तो पता चल जाएगा।...(व्यवधान) यह समस्या आपके सामने भी है। उस जनता से आपको भी काम पड़ेगा।...(व्यवधान) जनता के बीच आप भी जाएंगे। यह इतना महत्वपूर्ण मामला है, इसमें आप किसी को विश्वास में नहीं लेकर, न जाने क्या श्रेय लेना चाहते हैं? एक-दो बड़े उद्योगपतियों और बड़े पूंजीपतियों के कहने से क्या नोटबंदी होगी? कौन नहीं जानता है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मुलायम सिंह जी, अब बैठिए। आपकी बात आ गयी है।

श्री मुलायम सिंह यादव : हम किसी पर हमला नहीं कर रहे हैं, हम ऐसी बात कहना नहीं चाहते। हम जानते हैं कि हिन्दुस्तान के महज कुछ बड़े उद्योगपतियों की राय से यह हुआ है, जनता की राय से या हमारी राय से नहीं हुआ है। ...(व्यवधान) हम किसी पर हमला नहीं करना चाहते, हम बोलना नहीं चाहते हैं और न हमारी ऐसी राय है कि ऐसा बोलें। हम अपनी बात कहना चाहते हैं, हम जनता का दुख-दर्द कहना चाहते हैं। किसान, मजदूर और व्यापारी की बात कहना चाहते हैं। किसान और व्यापारी से किसका संबंध है? उनकी राय नहीं ली जा रही है। क्या आपको अनुभव नहीं है? भले ही आपकी मजबूरी है। वह अलग बात है। हम जो बोल रहे हैं, ये बोलते हैं, ये किसान की बात करते हैं, गरीब की बात करते हैं, लेकिन काम करते हैं उल्टा। समर्थन करते हैं उनका। हम तो ऐसा नहीं करते हैं।

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : माननीय अध्यक्ष जी, सबसे पहले मैं प्रतिपक्ष के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं और आभार इसलिए व्यक्त करना चाहता हूं कि डीमोनेटाइजेशन जिसे बोलचाल की भाषा में नोटबंदी कहते हैं, इस नोटबंदी के सवाल को लेकर सरकार की इंटेंशन पर किसी ने संदेह व्यक्त नहीं किया है, इसलिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं। हां, यह सच है कि लोगों को इस बात पर आपत्ति है कि इसका इम्पलीमेंटेशन जिस तरीके से होना चाहिए, वह शायद इन लोगों की सोच के अनुसार नहीं हो पा रहा है।...(व्यवधान) लेकिन मैं यही कहना चाहता हूं कि जहां तक सत्ता पक्ष का प्रश्न है, हम इस विषय पर बहस करने के लिए तैयार हैं और यह जानना चाहते हैं कि इम्पलीमेंटेशन को लेकर कहां पर क्या कठिनाई पैदा हो रही है, कहां पर क्या अड़चनें पैदा हो रही हैं?...(व्यवधान) मैं प्रतिपक्ष को आश्वस्त करना चाहता हूं कि जो भी इम्पलीमेंटेशन की कठिनाइयों से प्रतिपक्ष अवगत कराएगा, उसका यथासंभव निराकरण करने की हम लोग अपनी तरफ से भरपूर कोशिश करेंगे।...(व्यवधान) हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी ने जो यह फैसला किया है, यह राष्ट्र-हित को ध्यान में रखकर फैसला किया है।...(व्यवधान) देश की अर्थ-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए, भारत की अर्थव्यवस्था को ताकत देने के लिए यह फैसला किया है। कालेधन की एक पैरेलल इकोनॉमी की जो चर्चा होती थी, उसे समाप्त करने के लिए यह फैसला किया है।...(व्यवधान)

आतंकवाद, माओवाद और उग्रवाद की जो घटनाएं लगातार बढ़ रही थीं और जिस तरीके से ब्लैक मनी और फेक मनी की सप्लाई हो रही थी, उसे रोकने के लिए हमारे प्रधान मंत्री जी ने यह फैसला किया है।...(व्यवधान) इसीलिए मैं प्रतिपक्ष से विनम्रता पूर्वक अनुरोध करना चाहता हूं कि ...(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : माननीय अध्यक्ष जी, नियम 184 के तहत चर्चा करा लीजिए।...(व्यवधान)

श्री राजनाथ सिंह : आप नियम की बात छोड़िए।...(व्यवधान) देखिए, आप सबने...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : पहले पूरी बात तो सुन लीजिए। कल्याण जी, पूरी बात तो सुननी चाहिए। राजनाथ जी, आप अपनी बात पूरी कीजिए। कल्याण जी, आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : केवल जो राजनाथ सिंह जी बोलेंगे, वही बात रिकार्ड में जाएगी। मैंने अन्य किसी को एलाऊ नहीं किया है। Nothing will go on record, if you speak like this.

Only what Shri Rajnath Singhji speaks will go on record.

*â€¦(Interruptions)â€¦**

HON. SPEAKER: I am sorry.

Shri Rajnath Singhji, please complete.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : कल्याण जी, क्या बात है? कृपया बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजनाथ सिंह : माननीय अध्यक्ष जी, मैं यह निवेदन कर रहा था कि आपने देखा कि बहस किस नियम के अन्तर्गत होनी चाहिए, इस प्रश्न पर भी पूरी अपोजीशन डिवाइडेड है। एक ओपिनियन भी नहीं है कि इस नियम के अन्तर्गत इस पर चर्चा होनी चाहिए।...(व्यवधान) ऐसा ही है। मैं देख रहा हूं, क्योंकि जैसे हमारे जितेन्द्र रेड्डी जी ने यह बात कही है, नियम का प्रश्न नहीं है। हम बहस चाहते हैं और इम्पलीमेंटेशन में यदि कहीं पर कोई कमी रह गई है तो उसे हम हाइलाइट करना चाहते हैं। ...(व्यवधान)

मैं पुन: आश्वस्त करना चाहता हूं कि इम्पलीमेंटेशन को लेकर कहीं पर सरकार के पार्ट पर यदि कोई कमी रह गई होगी तो हम उसे ठीक करेंगे क्योंकि जो यह हमारा फैसला है, वह राष्ट्र के हित में लिया गया फैसला है।...(व्यवधान) इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूं और साथ ही प्रतिपक्ष से विनम्रता पूर्वक अनुरोध करता हूं कि अब वह यह बात अध्यक्ष महोदया पर छोड़िए कि वह जिस भी नियम के अन्तर्गत चर्चा कराना चाहती हों अथवा बिना नियम के चर्चा कराना चाहती हों तो चर्चा हम सबको प्रारम्भ करनी चाहिए।...(व्यवधान)

खड़गे साहब. मैं आपसे भी विनम्रता पूर्वक अनुरोध करता हूं कि सत्ता पक्ष चर्चा के लिए पूरी तरह से तैयार है। कृपया अब इस पर चर्चा को प्रारम्भ करें और खड़गे साहब, अब आप ही इस चर्चा को प्रारम्भ करें। मैं अध्यक्ष महोदया जी से अनुरोध करूंगा कि वे उन्हें आमंत्रित करें और चर्चा प्रारम्भ की जाए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, अब एक मिनट मेरी भी बात सुनिए। मैं आपकी बात सुनूंगी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसी चर्चा मत करिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : माननीय अध्यक्ष जी, मैं भी वही बात कह रहा हूं। रॉंग मैसेज बाहर नहीं जाना चाहिए। हम चर्चा के लिए तैयार नहीं हैं, ऐसा मैसेज बाहर नहीं जाना चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नहीं जा रहा है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : जो भी किसानों, मजदूरों के हितों की बात करने वाले हैं, क्या वे सभी देशद्रोही हैं?...(व्यवधान) जो किसानों की हित की बात करते हैं,...(व्यवधान) जो मजदूरों की हित की बात करते हैं, ...(व्यवधान) जो छोटे व्यापारियों की हित की बात करते हैं,...(व्यवधान) क्या वे सभी देशद्रोही हैं, हम यह पूछना चाहते हैं?...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nobody is saying something like this.

...(*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: हम यह चाहते हैं कि इसका कोई समाधान हो, ...(व्यवधान) हम सजैशंस देना चाहते हैं।...(व्यवधान) आप भी हमारी बात सुनिए।...(व्यवधान) 50 दिनों में 1,28,000 करोड़ रूपये का नुकसान होने वाला है।...(व्यवधान) 8,00,000 से 10,00,000 लोग बेरोजगार होने वाले हैं। ...(व्यवधान) पूरा मैन्यूफैक्चरिंग सैक्टर ठप हो गया है।...(व्यवधान)

12.26 hours

(At this stage, Shri Kalyan Banerjee, Shri Dharmendra Yadav and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table)

माननीय अध्यक्ष : आप चर्चा शुरू कर रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : नहीं, आप हमारी बात सुनिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं आपकी बात सुनने को तैयार हूं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : क्या आप चर्चा शुरू कर रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

12.27 hours

(At this stage, Shri Kalyan Banerjee, Shri Dharmendra Yadav and some other hon. Members went back to their seats)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम, उनको मालूम होना चाहिए,...(व्यवधान) इसलिए आप नियम 184 के तहत चर्चा शुरू कीजिए।â€¦(व्यवधान) मैं आंकड़ों के साथ बोलता हूं।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

...(*Interruptions*) *â€¦**

माननीय अध्यक्ष : मैंने आपकी बात इतनी देर तक सुनी, आप भी चेयर से कुछ सुनिए। मेरा आपसे एक ही निवेदन है कि चर्चा के लिए, चाहे इस तरफ के माननीय सदस्य हों या उस तरफ के माननीय सदस्य हों, पूरा सदन चर्चा के लिए तैयार है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सभी लोग सामान्य जनता के सुख:दु:ख की बात करना चाहते हैं। मैं भी उन्हीं सामान्य लोगों में से ही चुन कर यहां आयी हूं और आज इस कुर्सी पर बैठी हूं। मेरा आप सभी से एक ही निवेदन है कि आज नियम 193 के तहत चर्चा लगी है, फिर भी अगर वास्तव में पूरा सदन चर्चा करना चाहता है तो मैं चेयर की तरफ से भी सहयोग देने को तैयार हूं, आप नियम के लिए लड़ाई

नहीं लड़िए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वास्तव में जनता का दुःख दूर करने के लिए, I am ready.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : अभी आप चर्चा करना चाहेंगे तो बिना नियम के भी चर्चा करने की अनुमति दे सकती हूं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप चाहें तो चर्चा शुरू करें।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जब वोट का समय आयेगा तब वोट की बात करेंगे।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : क्या इस बात पर भी वोट करेंगे?

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अगर आप जिद ही करेंगे तो लोगों की सुख-दुःख की चर्चा नहीं हो सकती है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इससे यह मैसेज जाता है कि हम चर्चा नहीं करना चाहते हैं।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Please, I am requesting all of you.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : अब निर्णय आपके ऊपर है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बिधूड़ी जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

12.28 hours

(At this stage Shri Kalyan Banerjee, Shri K.C.Venugopal, Shri Dharmendra Yadav and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.)

श्री राजनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदया, मैं यह कहना चाहता हूं कि आप न हमारी सुनिए और न इनकी सुनिए कि किस नियम के तहत चर्चा होनी चाहिए।...(व्यवधान) आपने जैसा कहा था,...(व्यवधान) आप बिना किसी नियम के ही चर्चा प्रारंभ करे दें,...(व्यवधान) मैं आपसे यह अनुरोध करना चाहूंगा। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: This is not the way.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : इसका मतलब है कि आप चर्चा नहीं चाहते हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब हम शून्य काल लेते हैं।

श्री रमेश बिधूड़ी।